

GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF RAILWAYS

**RAJYA SABHA**  
**STARRED QUESTION NO. 213**  
**ANSWERED ON 05.08.2022**

**RAILWAY DEVELOPMENT WORKS IN WEST BENGAL**

213 SMT. SHANTA CHHETRI:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) the details of all railway development works in West Bengal for the last three years;
- (b) the status of each work and their expected completion dates;
- (c) whether the Ministry has plans to extend railway connectivity from Jalpaiguri to Kalimpong;  
and
- (d) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

**ANSWER**

MINISTER OF RAILWAYS, COMMUNICATIONS AND  
ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY

(SHRI ASHWINI VAISHNAW)

(a) to (d): A Statement is laid on the Table of the House.

\*\*\*\*\*

**STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (d) OF STARRED QUESTION NO. 213 BY SMT. SHANTA CHHETRI ANSWERED IN RAJYA SABHA ON 05.08.2022 REGARDING RAILWAY DEVELOPMENT WORKS IN WEST BENGAL**

(a) and (b): Railway projects are sanctioned and executed Zonal Railway wise and not State wise as Railway projects may span across State boundaries. However, as on 01.04.2022, 50 Railway projects (16 new lines, 04 gauge conversions and 30 doublings), costing ₹ 51,645 crore, covering total length of 4,365 Km, falling fully/partly in the State of West Bengal are in different stages of planning/approval/execution, out of which 2,065 Km length have been commissioned and an expenditure of ₹20,974 crore has been incurred upto March, 2022.

Railway Infrastructure Projects in the State of West Bengal is covered by Eastern Railway (ER), South Eastern Railway (SER) and Northeast Frontier Railway (NFR) Zones of Indian Railways. The project-wise details including cost, expenditure and outlay are available in public domain on Indian Railways website i.e. [www.indianrailways.gov.in](http://www.indianrailways.gov.in) > Ministry of Railways > Railway Board > About Indian Railways > Railway Board Directorates > Finance (Budget)>Pink Book (year)>Railways-wise Works, Machinery & Rolling Stock Programme (RSP).

Since 2014, there has been substantial increase in Budget allocation and commensurate commissioning of projects. Average Annual Budget allocation for Infrastructure projects & safety works, falling fully/ partly in the State of West Bengal, during 2014-19 has been enhanced to ₹ 4,612 crore per year from ₹ 4,380 crore per year during 2009-14, which is 5% more than Average Annual Budget allocation during 2009-14. These allocations have been increased to ₹ 5,033 crore in Financial Year 2019-20 (15% more than the Average Annual Budget allocation of 2009-14), ₹ 5,246 crore in Financial Year 2020-21 (20% more than the Average Annual Budget allocation of 2009-14) and ₹ 6,988 crore in Financial Year 2021-22 (60% more than the Average Annual Budget Outlay of 2009-14). For Financial Year 2022-23, highest ever Budget outlay of ₹ 10,262 crore has been provided for these projects, which is 134% more than the Average Annual Budget Outlay of 2009-14 (₹ 4,380 crore per year).

Completion of any Railway project/s depends on various factors like cooperation of State Governments in quick land acquisition, forestry clearance by officials of forest department, shifting of infringing utilities, statutory clearances from various authorities, geological and topographical conditions of area, law and order situation in the area of project/s site, number of working months in a year for particular project site due to climatic conditions, etc. All these factors affect the completion time of the project/s. With these constraints, Railways are making all efforts to complete these projects at the earliest.

During 2014-22, 998 km sections (88 km new line, 151 km Gauge conversion and 759 km doubling) falling fully/partly in West Bengal have been commissioned at an average rate 124.75 km per year.

(c) and (d): New Jalpaiguri is already connected to Sivok by rail line and a survey had been carried out for laying Railway line from Sivok to Kalimpong (24.5 Km) in 2012-13. The project could not be taken forward due to financial unviability.

\*\*\*\*\*

भारत सरकार  
रेल मंत्रालय

राज्य सभा  
05.08.2022 के  
तारांकित प्रश्न सं. 213 का उत्तर

पश्चिमी बंगाल में रेल विकास कार्य

\*213 श्रीमती शांता क्षत्री:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान पश्चिमी बंगाल के सभी रेल विकास कार्यों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) प्रत्येक कार्य की स्थिति और उनके पूरा होने की संभावित तिथियों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या मंत्रालय की जलपाईगुड़ी से कलिमपोंग तक रेल संपर्क का विस्तार करने की कोई योजना है; और
- (घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री  
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

पश्चिमी बंगाल में रेल विकास कार्यों के संबंध में दिनांक 05.08.2022 को राज्य सभा में श्रीमती शान्ता छत्री के तारांकित प्रश्न सं. 213 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेल परियोजनाएं राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार स्वीकृत और निष्पादित की जाती हैं क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। बहरहाल, 01.04.2022 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 51,645 करोड़ रु. लागत की कुल 4365 कि.मी. लंबाई की 50 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइन, 4 आमामान परिवर्तन और 30 दोहरीकरण) योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 2065 कि.मी. लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च तक लगभग 20,974 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

पश्चिम बंगाल राज्य में रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल की पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित परियोजना-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् [www.indianrailways.gov.in](http://www.indianrailways.gov.in)>Ministry of Railways>Railway Board>About Indian Railways>Railway Board Directorates>Finance(Budget)> Pink Book (year)>Railways-wise Works, Machinery & Rolling Stock Programme पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

वर्ष 2014 से, बजट आवंटन में पर्याप्त वृद्धि की गई है और तदनुसार परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं। 2014-19 के दौरान, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन, 2009-14 के दौरान, 4380 करोड़ रुपये प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2014-19 के दौरान 4612 करोड़ रुपये प्रति वर्ष किया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट आवंटन की तुलना में 5% अधिक है। इन आवंटनों को वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़ाकर 5033 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आवंटन की तुलना में 15% अधिक) और वित्त वर्ष 2020-21 में बढ़ाकर 5246 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आवंटन की तुलना में 20% अधिक) और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, इन परियोजनाओं हेतु 6988 करोड़ रु. (2009-14 के दौरान औसत वार्षिक परिव्यय की तुलना में 60% अधिक) कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए, इन परियोजनाओं हेतु अभी तक का सर्वाधिक 10262 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट परिव्यय की तुलना में 134% अधिक है (4380 करोड़ रु. प्रति वर्ष)।

रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृति, लागत में हिस्सेदारी वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार

द्वारा लागत हिस्से को जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय को प्रभावित करते हैं। इन सबके बावजूद परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

2014-22 के दौरान, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णत/आंशिक रूप से पड़ने वाले 998 कि.मी. खंड (88 नई लाइन, 151 आमामान परिवर्तन और 759 दोहरीकरण) को 124.75 किलोमीटर प्रति वर्ष की दर से पूरा किया गया है।

(ग) और (घ): न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पहले से ही सिवोक से रेल लाइन द्वारा जुड़ा हुआ है और सिवोक से कलिमपोंग तक रेल लाइन (24.5 कि.मी.) बिछाने के लिए सर्वेक्षण 2012-13 में किया गया था। परियोजना को वित्तीय दृष्टि से अर्थक्षम न होने के कारण आगे नहीं बढ़ाया जा सका था।

\*\*\*\*\*

SHRIMATI SHANTA CHHETRI: Sir, my supplementary is: In the Budget 2020-21, the Railway Ministry decided to stop 30 projects launched by Ms. Mamata Banerjee, especially in rural Bengal. This year, more than 8 Bengal-related projects have received an allocation of only Rs. 1,000, including new lines in Lakshikantapur-Namkhana, Tarkeshwar-Mogra line, security of seven stations in Kolkata. What is the reason behind depriving Bengal? सर, मैं यह जानना चाहती हूँ कि पश्चिमी बंगाल के लिए क्यों केवल एक हजार रुपए का बजट एलोकेशन हुआ?

श्री अश्वनी वैष्णव : मान्यवर डिप्टी चेयरमैन सर, कुछ लोग केवल अनाउंसमेंट्स करते हैं और कुछ लोग काम करते हैं, यह फर्क है। यह बड़ा फर्क है। आप देख लीजिए, मैं आपको डेटा दूँगा। ...*(व्यवधान)*... I am giving the answer. ...*(Interruptions)*... You have asked the question. ...*(Interruptions)*... Hon. Deputy Chairman, Sir, ... *(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : प्लीज़, प्लीज़, आपस में बात न करें। ...*(व्यवधान)*... प्लीज़। ...*(व्यवधान)*...

SHRI ASHWINI VAISHNAW: Hon. Deputy Chairman, Sir... ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : माननीय सदस्यगण, प्लीज़ बैठ जाइए। ...*(व्यवधान)*... माननीय मंत्री जी, आपका रिप्लाय ही रिकॉर्ड पर जाएगा। आप बोलिए। ...*(व्यवधान)*... आप माननीय मंत्री को सुनें। ...*(व्यवधान)*... प्लीज़, प्लीज़, no, no, ...*(Interruptions)*... आप माननीय मंत्री जी को सुनिए। ...*(व्यवधान)*...

SHRI ASHWINI VAISHNAW: Hon. Deputy Chairman, Sir, despite tremendous follow-up by the railway system... ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : माननीय मंत्री जी के जवाब के अलावा कोई और बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है। ...*(व्यवधान)*...

SHRI DEREK O'BRIEN: \*

SHRIMATI MAUSAM NOOR: \*

SHRIMATI SHANTA CHHETRI: \*

---

\* Not recorded

DR. SANTANU SEN: \*

SHRI JAWHAR SIRCAR: \*

SHRI MD. NADIMUL HAQ: \*

MS. SUSHMITA DEV: \*

SHRI ASHWINI VAISHNAW: Despite tremendous follow-up by the railway system, despite tremendous follow-up by the Railway officials, there is so little support on making land available. ...*(Interruptions)*... There is so little support on making land available that we are really feeling concerned. ...*(Interruptions)*... Where is our federal structure going? ...*(Interruptions)*... Sir, Railways is a sector in which प्रधान मंत्री जैसा कहते हैं, "सबका साथ, सबका प्रयास", this is a sector in which we need complete support from the State Government. ...*(Interruptions)*...

**श्री उपसभापति :** माननीय मंत्री जी को रिप्लाइ देने दीजिए। ...*(व्यवधान)*... प्लीज़, no, no. ...*(Interruptions)*...

SHRI ASHWINI VAISHNAW: And, that support is not forthcoming from West Bengal, Sir. I request you, through your good offices, to kindly request the hon. Members to go across, sit with the State Government of West Bengal and please make the land available. ...*(Interruptions)*... I promise, whatever projects for which they give land, we will immediately start work. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI SHANTA CHHETRI: Sir, my second supplementary is this. To run a bullet train, it costs Rs. 200 crores per km. A Dedicated Freight Corridor for daily essential items like sabji, chawal, gram, etc., cost just Rs. 25 crores per km. मैं यह जानना चाहती हूँ कि इसमें आप लोग डीएफसी को क्यों ज्यादा प्रायोरिटी नहीं देते हैं?

**श्री अश्वनी वैष्णव :** सर, मैं फिर बोलूँगा, तो ये लोग बोलेंगे कि आप इस तरह से बोलते हैं। ...*(व्यवधान)*...



**श्री उपसभापति :** प्लीज़, सीट पर बैठ कर आपस में बात न करें।...(व्यवधान)...

**श्री अश्वनी वैष्णव :** डिप्टी चेयरमैन सर, इन्होंने फ्रेट कॉरिडोर की बात उठाई, 2014 से पहले कितने किलोमीटर्स कमीशंड हुए थे — जीरो, और आज कितने किलोमीटर्स कमीशंड हैं - 1,300. कुछ लोग केवल बातें करने में विश्वास करते हैं, कुछ लोग काम करने में विश्वास करते हैं। चाहे बुलेट ट्रेन हो, चाहे फ्रेट कॉरिडोर हो, इन सारे के सारे प्रोजेक्ट्स पर तेजी के साथ काम चलेंगे। मान्यवर, जिस तरह से ये बात कर रहे हैं, मैं इनसे जानना चाहता हूँ कि कोलकाता मेट्रो के लिए आपका जितना कमिटमेंट था, इतने पीरियड में आपने वहां क्या काम किया था? आज देखिए, हर पांच-छः महीने के बाद एक-एक नया सेक्शन खुल रहा है। इसलिए काम करने का जो जज़्बा है, ...(व्यवधान)... आप केवल भाषण की बात करते थे और यहां काम करने पर फोकस है।  
...(व्यवधान)...

**श्री उपसभापति :** प्लीज़, आप लोग बैठ जाएं।...(व्यवधान)... श्री रवंगवरा नारजारी ...(व्यवधान)...

SHRI RWNGWRA NARZARY: Sir, my question is relating to ... ..(Interruptions)...

**श्री उपसभापति :** प्लीज़, आपस में बात न करें।...(व्यवधान)... Please. ... (Interruptions)... No cross-talks. ... (Interruptions)... No cross-talks. ... (Interruptions)... Nothing is going on record. ... (Interruptions)... Please. ... (Interruptions)...

SHRI RWNGWRA NARZARY: Sir, my question is related to new connectivity of Railway line. ... (Interruptions)...

**श्री उपसभापति :** प्लीज़, आपस में बात न करें।...(व्यवधान)...

**श्री रवंगवरा नारजारी :** महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ  
...(व्यवधान)...

**श्री उपसभापति :** माननीय सदस्य, प्लीज़ आप अपनी सीट्स पर बैठ जाएं।...(व्यवधान)...

**श्री रवंगवरा नारजारी :** मैं असम के बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल से आया हूँ। मैं मंत्री महोदय से प्रश्न पूछना चाहता हूँ कि असम के कोकराझार रेलवे स्टेशन से भूटान के गेलेफू तक एक नई रेलवे लाइन कनेक्टिविटी देने के लिए क्या रेलवे मिनिस्टर की कोई प्लानिंग है? अगर है तो मैं उसके बारे में जानना चाहता हूँ।

**श्री उपसभापति :** माननीय सदस्य, यह प्रश्न वैस्ट बंगाल से रिलेटेड है। अगर माननीय मंत्री जी चाहें तो जवाब दे सकते हैं।

**श्री रवंगवरा नारजारी :** सर, यह प्रश्न नॉर्थ-ईस्टर्न रेलवे का ही है।...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, please. ...(Interruptions)...

AN HON. MEMBER: The Minister can look into it, Sir. ...(Interruptions)...

**श्री उपसभापति :** हमारा प्रश्न वैस्ट बंगाल से जुड़ा हुआ है, प्लीज़।

**श्री अश्वनी वैष्णव :** सर, अभी टॉप प्रायोरिटी पर नॉर्थ-ईस्ट के जितने भी कैपिटल कनेक्टिविटी के प्रोजेक्ट्स हैं, वे हैं। उनके ऊपर फोकस करके बहुत ही सिसियरली काम किया जा रहा है। इनके अलावा और भी कई प्रोजेक्ट्स के बारे में सर्वेज और प्रोजेक्ट्स आए हैं, जिनके ऊपर डिफेंस मिनिस्ट्री के साथ स्पेशियली काम चल रहा है। कुछ प्रोजेक्ट्स नेपाल या भूटान के साथ चल रहे हैं, उनमें एक्सटर्नल अफेयर्स मिनिस्ट्री के साथ बातचीत करके कुछ नये प्रोजेक्ट्स आए हैं, जो अभी पाइपलाइन में हैं, जिनके बारे में मैं माननीय सांसद महोदय को, वे जब भी पधारेंगे, अलग से बता दूंगा। I can have a discussion with him.

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA: Sir, my question may not be directly related to Q. No. 213 but it is a very important issue and I would like to hear something on it from the hon. Minister.

Sir, recently, in the early morning of 30<sup>th</sup> May, 2022, a massive landslide occurred along the railway tracks, construction of Maranching, Tupul, Noney, District Manipur, which resulted in the death of more than 50 people of Territorial Army, North-Frontier Railway staff people and the local people. Still the dead bodies of five-six people are not found yet and search operation, which continued for nearly one month, has been stopped now.

**श्री उपसभापति :** माननीय सदस्य, यह क्वेश्चन वैस्ट बंगाल से रिलेटेड है। अगर आपका क्वेश्चन वैस्ट बंगाल से सम्बन्धित है, तो आप...(व्यवधान)...

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA: Sir, I had already requested you that my question is not directly related to this question. But it is a very important matter.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please be brief. The question should be very brief.

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA: Sir, I would be brief. So, I would like to know from the hon. Minister that to avoid such unwanted incidents in future, what

appropriate steps or measures have been taken by the Ministry. If so, the details thereof, and if not, what is the reason?

**श्री उपसभापति :** अगर माननीय मंत्री जी चाहें, तो जवाब दे सकते हैं। हमारा क्वेश्चन पश्चिमी बंगाल से रिलेटेड है।

**श्री अश्वनी वैष्णव :** मान्यवर, माननीय सांसद जी ने एक बहुत ही ट्रैजिक इंसिडेंट के बारे में प्वाइंट रेज किया है। I would like to place on record my gratitude, and, on behalf of the Railways, a deep sense of thanks for the hon. Chief Minister of Manipur. The way he conducted the entire rescue and relief operation and due to complete coordination between the Defence Ministry, the Home Ministry and the State Government of Manipur, that entire tragic incident was handled in a very sensitive manner. It was an unfortunate incident in which the massive landslide suddenly occurred in the early morning hours but the entire system, including the State and the Central Government, all combined together and provided the right relief and disaster-relief measures at that point of time. Whatever other measures are required for stabilizing the slope, we are totally committed to work on that. The reason was that a large pool of water got collected on the top of the hill. So, for stabilizing the slope, the work is already going on, and whatever else is needed to be done, it is a very important project; we are totally committed to work on it.

**SHRI RAVICHANDRA VADDIRAJU:** Respected Deputy Chairman, Sir, I would like to ask the hon. Minister as to when would work start on the Rail Coach Factory at Kazipet in Telangana State, which was committed to in the Andhra Pradesh Reorganization Act. Coming to revamping of railway stations in Telangana, how many of them have been revamped and how many are left? इसके बारे में ए.पी. रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट में हमारे तेलंगाना के मुख्य मंत्री, श्री के.सी.आर. जी बहुत बार आकर रेलवे मिनिस्टर से पूछकर गये।

**श्री उपसभापति :** यह क्वेश्चन वैस्ट बंगाल से रिलेटेड है, माननीय मंत्री जी चाहें तो वे इसका जवाब दे सकते हैं।

**श्री रविचंद्र वदीराजू :** हमारे तेलंगाना में रेलवे कोच फैक्टरी है।

**उपसभापति :** प्रश्न संख्या 214.